scientific data regarding harmful effects on health by the products served by these companies in India or elsewhere are available. These companies are to operate within the framework of Indian Laws.

जहाजों की मरम्मत हेतु अपर्याप्त सुविधाएं

2409. **श्री अनन्तराय देवशंकर दवे:** क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में जहाजों की मरम्मत संबंधी वर्तमान सुविधायें अपर्याप्त हैं;

(ख) यदि हां, तो दोनों क्षेत्रों में उपलब्ध वर्तमान सुविधाओं का ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा इस स्थिति में सुधार करने हेतु क्या कदम उठाए जाने का प्रस्ताव है?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री एम० राजशेखर मूर्ति): (क) जी हां।

(ख) समुद्रगामी जलयानों की मरम्मत के लिए सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र दोनों में मौजूदा जहाज मरम्मत सुविधाओं के ब्यौरे संलग्न विवरण में दिए गए हैं (नीचे देखिए)।

(ग) जहाज मरम्मत उद्योग निजी क्षेत्र के लिए खुला है। देश की आयात-निर्यात नीति के अंतर्गत 100% निर्यात परक इकाइयों के लिए समय-समय पर उपलब्ध रियायतें जहाज मरम्मत इकाइयों पर भी लागू होती हैं। सरकार ने विभिन्न पत्तनों पर जहाज मरम्मत सुविधाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पत्तनों को सलाह दी है कि वे संबंधित पत्तनों पर जहाज मरम्मत सुविधाएं स्थापित करने के इच्छुक निजी उद्यमियों को भूमि और तटीय क्षेत्र उपलब्ध करवाएं।

विवरण

वाणिज्यिक समुद्रगामी जलयानों के लिए देश में उपलब्ध जहाज मरम्मत सुविधाओं के ब्यौरे

क्रम सं०	पत्तन/जहाज निर्माण यार्ड का नाम	विस्तृत आकार (मीटर में)
1	2	3
1.	**बम्बई पत्तन न्यास, बम्बई:**	
	(i) हयूग्स ड्राई डॉक	304.80×30.08×9.75
	(ii) मीअर वैदर ड्राई डॉक	132.40×19.06×6.40
2.	**कलकत्ता पत्तन न्यास, कलकत्ता:**	
	(i) सं० 1 किड्डरपुर डॉक	157.01×19.51×8.0
	(ii) सं० 2 किड्डरपुर डॉक	143.29×19.51×8.3
	(iii) सं० 3 किड्डरपुर डॉक	102.13×14.63×7.8
	(iv) सं० 1 नेताजी सुभाष डॉक	172.26×22.87×10.0
	(v) सं० 2 नेताजी सुभाष डॉक	176.85×22.87×10.0
3.	**कोचीन शिपयार्ड लि०, कोचीन:**	
	(i) ड्राई डॉक	270.00×44.8×11.5
	क्वे (लम्बाई)	208 एवं 75

1	2	3
4.	**हिन्दुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड, विशाखापततनम:**	
	(i) ड्राई डॉक बेसिन	240.0×38.0×8.10 57,000 डैड वेट टनेज (डी डब्ल्यू टी) तक ले जा सकता है किन्तु आकार 640 फीट तक सीमित है। दो भागों 225 एवं 167 में 40,000 डी डब्ल्यू टी के जलयानों का समायोजन हो सकता है।
5.	**हुगली डॉक एण्ड पोर्ट इंजीनियर्स लि०, कलकत्ता:**	
	(i) सल्किया ड्राई डॉक	92.0×11.0×7.0
6.	**मझगांव डॉक लि०, बम्बई:**	
	(i) रिची ड्राई डॉक	150.88×18.59×5.49
7.	**चोखानी इंटर नेशनल लि०, मद्रास:**	
	(i) फ्लोटिंग ड्राई डॉक	14,000 टन उठाने की क्षमता (टी एल सी)
	(ii) फ्लोटिंग ड्राई डॉक	2,400 टी एल सी

Crimes in South districts in Delhi

2410. SHRI VIREN J. SHAH:
SHRI PRAMOD MAHAJAN:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a report published in Delhi edition of the 'Times of India' of November 24, 1995 relating the 7800 crimes which took place this year in South District while comparable figures for the entire New Delhi range stands at 7200;

(b) if so, what are the facts in this regard;

(c) what are the comparative figures of murders which took place in South District and in other zones of New Delhi and Delhi in 1994 and so far in 1995;

(d) what are the main reasons for such a large number of murders which took place in Delhi in a short period; and

(e) what steps Government have so far taken for the safety and protection of the people?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (PROF. M. KAMSON): (a) and (b) Yes, Sir. During the year 1995 (upto 30.10.1995) 7733 cases under the Indian Penal Code were reported in South District of Delhi police as against the combined registration of 7293 cases under the Indian Penal Code reported in the three districts of the new Delhi Range (New Delhi, East and North-East Districts of Delhi Police). The details of these cases are given in the enclosed statement-I (*See* below).

(c) The information is given in the enclosed statement-II (*See* below).

(d) The main reasons for increasing incidence of murder are a sharp increase in the floating population visiting the capital daily, involvement of outside criminals, rising number of first-